तापमान
अधिकतम 26.6 डिग्री
न्यूनतम 9.7 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 3 मार्च 2025

11 पुलिस ने दो दिन में 110 से ज्यादा कैमरे खंगाले ...

12 जनसेवा समिति ने अजायब गांव में लगाया शिविर

मतदान केंद्र के बाहर लगी लाइन

गौड़ कॉलेज में वोट के बाद आती अंगूरी व केशर देवी

हम भी पीछे नहीं रणदेव पत्नी बबिता के साथ

महिला राजो देवी

निकाय चुनाव संपन्न: पोलिंग पार्टियों ने ईवीएम सीआर कॉलेज में जमा करवाई, अब सबकी निगाहें 12 मार्च पर टिकी

रोहतक में 54.07 % मतदान, युवाओं और बुजुर्गों में दिखा उत्साह, कलानौर में वोट को लेकर कहासुनी

- डीसी धीरेंद्र खड़गटा सहित एडीसी एवं अन्य अधिकारियों ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण
- ईवीएम सीआर कॉलेज में जमा करवाई, सुरक्षाकर्मी तैनात

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक नगर निगम क्षेत्र में रविवार को मेयर एवं पार्षद पदों पर शांतिपूर्ण चुनाव हुआ। सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान किया गया। जिला प्रशासन की टीमें दिनभर पुलिस के साथ मतदान केंदों का जायजा लेती रही। रोहतक में शाम तक कुल 54.07 प्रतिशत मतदात हुआ। कलानौर में 16 बूथों पर शाम तक 78.02 मतदान हुआ। जबकि रोहतक नगर निगम में 53.04 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान संपन्न करवाने के बाद सीआर कॉलेज ऑफ एजुकेशन में ईवीएम और अन्य जरूरी चुनाव सामग्री पोलिंग पार्टियों द्वारा जमा करवा दी गई। अब 12 मार्च को मतगणना की जाएगी।

301 मतदान केंद्र बनाए

रोहतक में कुल 301 मतदान केंद्र बनाए गए थे। इनमें से नगर निगम क्षेत्र में 285 मतदान केंद्र थे जबकि कलानौर में 16 मतदान केंद्र बनाए गए थे।

वार्ड 16 में दो मशीनें बदली

वार्ड 16 के मतदान केंद्र में मेयर पद की ईवीएम खराब हो जाने से मतदान प्रभावित हुआ। मतदाताओं ने बताया कि दो मशीनें बदली गईं, लेकिन वे भी काम नहीं कर सकीं। इसके बाद तीसरी मशीन आने में देरी हुई तो कुछ देर तक वोटिंग रुकी रही। प्रशासन द्वारा यहां नई ईवीएम मंगवाकर मतदान दोबारा शुरू कराया गया।

मेयर के लिए 5 लोग मौदान में

मेयर पद पर कांग्रेस के सूरजमल किलोई, भाजपा के रामअवतार वाल्मीकि में सीधा मुकाबला है। जबकि मेयर पद पर आम आदमी पार्टी के अमित खटक, इनेलो से सूरज और एक निर्दलीय प्रत्याशी दीपक सिंह ने भी चुनाव लड़ा। इसके साथ ही नगर निगम के 22 वार्डों से करीब 121 उम्मीदवारों ने पार्षद पद पर चुनाव लड़ा।

रोहतक में 12 बजे तक 10.2 और कलानौर में 16.3 % मतदान

रोहतक। सीआर कॉलेज ऑफ एजुकेशन में ईवीएम और अन्य जरूरी चुनाव सामग्री जमा करवाती पोलिंग पार्टियां। फोटो : हरिभूमि

हर वर्ग के मतदाता में मतदान के प्रति दिखाई दिया उत्साह

अपने शहर की सरकार चुनने के लिए हर वर्ग के मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला। बुजुर्ग और दिव्यांजन मतदाताओं ने भी उत्साह और उमंग के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं दूसरी ओर उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धीरेंद्र खडगटा ने स्थानीय सीआर कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बनाए गए कम्युनिकेशन सेंटर और आईसी कॉलेज में पहुंच कर मतदान का जायजा लिया। इस दौरान एडीसी नरेंद्र कुमार और आरओ मेजर गायत्री अहलावत भी मौजूद रहीं।

बुजुर्ग और दिव्यांगजन मतदाताओं का सहारा बने रेडक्रॉस के वालंटियर

नगर निगम चुनाव के दौरान बुजुर्ग और दिव्यांगजन मतदाताओं के लिए रेडक्रॉस के वालंटियर सहारा बने। वालंटियर ने मतदान केंद्रों पर पहुंचे बुजुर्ग और दिव्यांगजनों को व्हील चेयर की मदद से पोलिंग बूथ तक पहुंचने में मदद की। गौड़ ब्राह्मण कॉलेज में वालंटियर शिवानी, राखी, कोमल, बूथ नंबर 234 और 236 पर विजय, रेनकपुरा में नेहा, बूथ नंबर 175 पर रश्मि कुमारी ने जरूरतमंद मतदाताओं को व्हील चेयर के माध्यम से मदद की, जिससे मतदाताओं ने बिना किसी परेशानी से अपने मताधिकार का प्रयोग किया। व्हील चेयर मिलने पर बुजुर्ग और दिव्यांगजन मतदाताओं ने जिला प्रशासन का आभार प्रकट किया।

19 सेक्टर मजिस्ट्रेट ने निभाई ड्यूटी

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा नगर निगम आम चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी के अलावा 7 सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किए गए थे। इसी तरह नगर पालिका कलानौर के आम चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी तथा सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किए थे। शहरी स्थानीय निकायों के आम चुनाव के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट के अलावा सेक्टर सुपरवाइजर भी तैनात किए गए थे। नगर निगम आम चुनाव के लिए 19 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा 33 सेक्टर सुपरवाइजर एवं नगर पालिका कलानौर के लिए 5 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा 7 सेक्टर सुपरवाइजर नियुक्त किए गए थे।

12 मार्च को सुबह 8 बजे से मतगणना

निर्धारित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 12 मार्च को सुबह 8 बजे से मतगणना शुरु होगी तथा मतगणना संपन्न होने के उपरांत चुनाव परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर

इन्होंने भी किया मतदान

कांग्रेस विधायक बीबी बत्रा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, समाजसेवी राजेश जैन, समाजसेवी सुभाष तायल सहित भाजपा के मेयर पद के प्रत्याशी रामअवतार वाल्मीकि और सूरजमल किलोई ने भी परिवार के साथ मतदान किया।

विधायक बीबी बतरा ने परिवार के साथ वोट डाला

भाजपा और कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी वोट के बाद स्याही का निशान दिखाते हुए

निरीक्षण करते डीसी

निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव के लिए प्रशासन रहा मुस्तैद

नगर निगम चुनाव को पारदर्शी एवं निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न करवाने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रहा। चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित सुबह सात बजे सभी पोलिंग बूथों पर पोलिंग एजेंटों की मौजूदगी में मॉक पोल की प्रक्रिया हुई और ठीक आठ बजे मतदान शुरू हुआ। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धीरेंद्र खडगटा ने मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्वक सम्पन्न करवाने को लेकर सुबह से ही नजर बनाए रखी और आरओ के अलावा एआरओ को जरूरी निर्देश देते थे। उन्होंने कहा कि किसी भी पोलिंग बूथ पर मतदान प्रक्रिया किसी भी तरह से बाधित ना हो। आईसी कॉलेज में पोलिंग बूथ पर मतदान का जायजा लेने के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी धीरेंद्र खडगटा ने वहां पर रेडक्रॉस वालंटियर से बात की और कहा कि जरूरतमंद बुजुर्ग और दिव्यांग जन मतदाताओं को व्हील चेयर की मदद दिलाने के निर्देश दिए। वहीं दूसरी ओर श्री खडगटा ने रेडक्रॉस सचिव शाम सुंदर को निर्देश दिए कि जहां भी मतदान केंद्रों पर व्हील चेयर मुहैया करवाना सुनिश्चित करें।

उम्मीद लोग बोले विकास के नाम पर वोट डाले

शहर को मिलें मूलभूत सुविधाएं, समस्याओं का हो समाधान, चाहे चुनाव कोई जीते

नगर निगम चुनाव को लेकर लोगों में भारी उत्साह दिखा। सुबह से ही पोलिंग बूथ पर वोट डालने वालों का आना जाना लगा रहा। लोगों ने कहा कि माहपौर या पार्षद चाहे जो भी बने वह शहर को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करे। विकास कार्यों में तेजी लाए। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर ही मतदान किया गया।

सड़कें, पेयजल गंदगी जैसी दिक्कत

शहर के विभिन्न वार्डों में अभी भी सड़कें, पेयजल व स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं की जरूरत है। शहर का चहूंमुखी विकास होना चाहिए। पार्षद कोई भी बने वह लोगों की समस्याओं का हल करे। तेज गति से विकास कार्यों को बढ़ावा दे। वार्डवासी अपने वार्ड में स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता की उम्मीद एक जनप्रतिनिधि से रखते हैं। -रोहित मग्गू

पेयजल व्यवस्था में सुधार हो

जो भी महापौर बनता है या पार्षद बनता है वह शहर की पेयजल व्यवस्था को सुधारे। वार्ड की मूलभूत समस्याओं को हल करवाए। वार्ड के पार्षद को बिजली, पानी और सड़क जैसी समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। बारिश के दिनों में जिन जगहों पर पानी भरता है, इस समस्या का भी हल होना चाहिए। -रोहित शर्मा

मिलनसार हो वार्ड पार्षद

पार्षद वार्डवासियों से हमेशा मिलते जुलते रहें और मिलनसार होना चाहिए। नालियों की साफ सफाई और स्वच्छता पर खास ध्यान देना चाहिए। वार्ड के लोगों को किस तरह की समस्याएं आ रही हैं, इसकी सुध पार्षद को लेनी चाहिए। वार्ड में मूलभूत सुविधाएं बिजली, पानी और सड़क जैसी समस्या का समाधान होना चाहिए। -मन्नू

जनता के साथ अपनत्व का भाव रखे

पार्षद ऐसा हो जो जनता के साथ अपनत्व का भाव रखे। हर छोटी-बड़ी समस्याओं के समाधान को लेकर हमेशा तत्पर रहे। वार्ड का जमीनी स्तर पर विकास करे। पेयजल की समस्या को दूर करे। शहर में कई और समस्याएं है। उनका निदान हो। -डॉ. रीना सोनी

खेड़ी साध और बलियाना में झगड़े पर पुलिस अलर्ट

रोहतक। निगम चुनाव के दौरान शहर में सुबह से शाम तक शांति रही। इसके अलावा गांव बलियाना और खेड़ी साध में झगड़ों की सूचना मिली। जिसके बाद पुलिस एक्टिव हुई और मतदान केंद्रों के आसपास नाकाबंदी की गई। देर रात तक पुलिस दोनों मामलों में जांच करती रही।

कांग्रेस प्रत्याशी के भाई पर हमला

जानकारी के अनुसार, मतदान के दौरान बलियाना गांव के पोलिंग बूथ पर भाजपा और कांग्रेस समर्थकों के बीच झड़प हो गई। यह विवाद बूथ में घुसने को लेकर हुआ, जिसमें वार्ड 11 से कांग्रेस प्रत्याशी परीक्षित देशवाल के भाई प्रशांत घायल हो गए। भारी तादाद में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। हालांकि पुलिस ने बाद में मामले को शांत करवा दिया।

युवक को सुए मारे

पुलिस के मुताबिक चुनाव के दौरान खेड़ी साध में एक युवक को सुए मारकर घायल कर दिया गया। जिसे उपचार के लिए पीजीआई भर्ती कराया गया है। युवक का नाम कपिल बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपियों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिल पाई।

कुल 16 वार्डों के लिए 4 प्रत्याशी चैयरमैन पद के लिए भाग्य अजमा रहे

कलानौर में छिटपुट कहासुनी के बीच शांति पूर्ण संपन्न हुआ नगर पालिका चुनाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ कलानौर

कस्बे में छूटमुट कहासुनी की घटना बीच रविवार को कलानौर नगरपालिका चेयरमैन व पार्षद पद के लिए मतदान शांति प्रिय ढंग से संपन्न हुआ। कुल 16 वार्डों के लिए 4 प्रत्याशी चैयरमैन पद हेतु ,जबकि 55 प्रत्याशी पार्षद पद हेतु चुनावी मैदान में मौजूद रहे । जिसके लिए शहर के मतदाताओं ने अपने वोट का प्रयोग किया। शाम 5:30 बजे तक कि अगर बात करें तो लगभग 78.2 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया । शाम 6:00 बजे तक कई बुथों पर मतदान को लेकर मतदाताओं की लाइन देखी गई। चुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस हर जगह मुस्तैद नजर आई । वहीं मतदान को लेकर क्या युवा व क्या बुजुर्ग सभी उत्साहित नजर आए।

92 वर्षीय चावली देवी ने किया मतदान : कलानौर मतदान के दौरान वार्ड नंबर 4 से 92 वर्षीय बुजुर्ग महिला चावली देवी ने व्हीलचेयर पर मतदान करने पहुंचीं और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कलानौर चुनाव के दौरान में वार्ड 13 के बूथ नंबर 12 के बाहर खड़े पार्षद प्रत्याशियों में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई । जिसके बाद पार्षद प्रत्याशी आपस में एक दूसरे के साथ बहस करते हुए नजर आए। इसी बीच पुलिस प्रशासन ने तुरंत प्रभाव से मोर्चा संभालते हुए सभी को एक साइड करते हुए मामला शांत करवाया।

सफलता मन की शांति है, जो यह जानने में आत्म संतुष्टि का प्रत्यक्ष परिणाम है कि आपने सर्वश्रेष्ठ बनने का प्रयास किया, जिसके लिए आप सक्षम हैं।

- जॉन वुडन

आंगन में अंधेरा पसर आया तो रमा ने बिजली जला दी। सलौनी और उसके बच्चे गली से घर के आंगन में पहुंच चुके थे। पशुओं का काम निपटा उसने चार मोटी-मोटी रोटियां बनायी और दूध में डुबोकर उनके टुकड़े कर सलौनी और उसके बच्चों के आगे सरका दी। बच्चे रोटी खाने में व्यस्त हो गये, मगर सलौनी ने रोटियों को मुंह तक नहीं लगाया।

कहानी

आशा खत्री 'लता'

आज रात नहीं सोएगी सलौनी

प तिदेव बच्चों सहित भानजे की शादी में भात लेकर गये हैं। घर में रमा अकेली है। शाम से ही दो-तीन पड़ोसनें बारी-बारी से आकर रात में अकेले न सोने की ताकीद करती हुई खुद या किसी बालक को उसके पास सुलाने का आग्रह कर गयी हैं। मगर वह हरेक को यही उत्तर देती - "अकेली कहां, सलौनी और उसके बच्चे हैं ना।"उसके उत्तर पर पड़ोसनें मुस्कुराती नजरों से उसे देखती हुई उचटती सी निगाह सलौनी पर डालकर हंसती हुई चली जाती। उनकी हंसी में हास्य और व्यंग्य दोनों का पुट शामिल होता, लेकिन रमा जानकर भी अनजान बन अपने काम में लग जाती। 'लोगों की आदत है।' मन ही मन यही दोहराती हुई।

शाम ढल चुकी थी। आंगन में अंधेरा पसर आया तो रमा ने बिजली जला दी। सलौनी और उसके बच्चे गली से घर के आंगन में पहुंच चुके थे। पशुओं का काम निपटा उसने चार मोटी-मोटी रोटियां बनायी और दूध में डुबोकर उनके टुकड़े कर सलौनी और उसके बच्चों के आगे सरका दी। बच्चे रोटी खाने में व्यस्त हो गये, मगर सलौनी ने रोटियों को मुंह तक नहीं लगाया। वह चुपचाप बैठी रही। रमा ने उसे बार-बार कहा, इशारे किये मगर सलौनी टस से मस न हुई।

फिर रमा ने रोटी उसके बिल्कुल सामने सरकायी लेकिन सलौनी पर अब भी कोई असर नहीं हुआ। हां, इस बीच पिलूरे रोटी खाकर गली का चक्कर लगाने चले गये। लेकिन सलौनी वहीं गर्दन मोड़कर पेट में मुंह दिये पड़ी रही। 'मूक कह भी तो नहीं सकती कि रोटी क्यों नहीं खा रही, काश! इसके जुबान होती?' सोचती हुई रमा ने सुबह की रखी रोटी बोहिये से उठायी और थोड़ी सी मलाई उस पर रखकर खाने लगी। इतने में क्या देखती है कि सलौनी के शरीर में हरकत हुई और वह इत्मिनान से रोटी खाने लगी। रमा का जी भर आया, इतना प्यार, इतनी परवाह तो इन्सान भी इन्सान के प्रति न रखे। घर के काम से निपटी तो सलौनी और उसके बच्चे गली की घुमाई कर आ चुके थे। रमा ने बाहरी दरवाजे पर ताला लगाया, इसके बाद आंगन में 'फर्राटा' लगाकर अपनी चारपाई बिछाई तथा दूसरी सलौनी और उसके बच्चों के लिये लगा दी।

सलौनी जैसे इसी के इंतजार में थी। वह उचककर खाट पर जा चढ़ी, उसके बच्चों ने भी उसका अनुसरण किया। सारे के सारे कूं, कूं करते हुए आराम से चारपाई पर लेट गये। रमा भी अपनी चारपाई पर लेटकर आसमान को ताकने लगी। उसे दिन में मिलने आयी शुभचिन्तक पड़ोसनों की व्यंग्य भरी नजरें याद आई, उसका मन विचलित हो गया, अकेलापन सताने लगा। मगर अगले ही पल सलौनी के साथ ने उसे अकेलेपन के अहसास से उबार लिया। मन सलौनी के प्रति ममता से भर उठा। उसने करवट ली और हाथ बढ़ाकर सलौनी को सहलाने लगी। सलौनी ने भी पूंछ हिलाकर उसकी ममता को स्वीकार किया। रमा सोचने लगी पड़ोसनों का क्या दोष!

पिछले दिनों जब मां आयी थी तो उन्हें भी सलौनी का पूरे घर में इस तरह बेरोक-टोक घूमना, सटकर बैठना, खाट पर सोना नागवार गुजरा था। तभी तो वे कह उठी थी-

"गाँव में आकर तेरा रहन-सहन भी बिल्कुल बेसुरा हो गया है। कोई कुत्तों को भी ऐसे..."

"माँ" माँ के बात पूरी करने से पहले ही वह मुस्कुराते हुए बोल पड़ी थी।

"....तुझे नहीं पता इनकी अहमियत, इनका प्यार इनका निश्छल व्यवहार मनुष्यों से भी अधिक अपनत्व भाव। पेट भरने को तो ये कहीं भी भर लें, इन्होंने कौनसा हम मानुसों की तरह जोड़-जुगाड़ करना है। ये बेचारे तो बिन झोली के मंगते हैं, जो किसी का प्यार भी उधार नहीं रखते। जरा से स्नेह का जो सिला इनसे मिलता है उसको कह पाना भी मेरे जैसी के बस की बात नहीं। पता है पिछले दिनों क्या हुआ- दिन ढले की बात है 'वे' आंगन में बैठे खाना खा रहे थे और मैं रसोई में रोटी बना रही थी। तभी सलौनी उस कमरे की ओर देख-देख कर जोर-जोर से भौंकने लगी।" रमा ने भैंस के साथ वाले कमरे की ओर इशारा किया जिसका उपयोग वे स्टोर की भांति करते हैं। "मैंने इसे चुप होने को कहा, मगर यह चुप नहीं हुई। इसे लगातार भौंकते देख मैंने इन्हें कहा कि 'देखियो, सलौनी उधर भैंस के साथ वाले कमरे की तरफ देख-देख कर क्यूं एक सांस भौंके जा रही है।" ये चिन्तित हो बोले- "जरूर कोई कीड़ा-कांटा होगा, वरना ये इस तरह...." और इन्होंने रोटी बीच में ही छोड़कर लाठी उठाकर वहां रखा सामान टटोला तो पता है वहां क्या मिला...?"

"क्या... ?" माँ उसे हैरानी से ताकने लगी। "वहाँ रखे उसे गत्ते के बड़े डिब्बे में चार हाथ लम्बी नागिन बैठी थी। कोई भी दुर्घटना घट सकती थी माँ। जंगल के जीव जंगल में तो स्वछंद घूम सकते हैं। घर में तो बच्चे, हम दोनों, भैंस, गाय या कोई आया-गया, किसी के भी साथ...।" कहते-कहते रमा सिहर गयी थी।

"...इन्होंने सरगोशी की 'देख ये बैठी।' मैंने दौड़कर पास-पड़ोस से लोगों को बुलाया। तब कहीं जाकर उसका अन्त हुआ। सलौनी न होती तो हमें क्या पता चलता कि हमारे घर में हमारी मौत छुपी है।" कहते हुए रमा ने पास बैठी सलौनी का चेहरा प्यार से हाथों में लेकर अपने चेहरे से सटा लिया। जैसे बहुत प्यार आने पर माँ अपनी संतान के लाड लड़ाती है। सलौनी भी इस इत्मिनान से पूंछ हिला रही थी, जैसे बौराया बच्चा मां की गोद में पसरकर पैर हिलाता है।

"हमारी सलौनी के होते हिम्मत नहीं कि घर में परिंदा भी पर मार जाये। दूर गली में आ रहे अजनबी को देखते ही इसके कान खड़े हो जाते हैं।" रमा ने कहा तो मां ने भी सहमति में गर्दन हिलायी। अब उनका हाथ भी सलौनी के बदन को सहला रहा था। सलौनी रमा की गोद से हटकर मां के पांव में लौट गयी। जैसे मां को अभिवादन करते हुए उनका आशीर्वाद ग्रहण करना चाहती हो। सलौनी की इस हरकत से वे भी भावविभोर हो उठी। रमा को याद आया जब काका (ससुर) का देहान्त हुआ तो सलौनी शवयात्रा में इन्सानों की तरह ही शामिल हुई, शमशान तक साथ गयी। दाह संस्कार के बाद जब सब घर लौट आये ये वहीं रुकी रही और सांझ ढले तभी घर लौटी, जब चिता की अग्नि बिल्कुल राख में बदल चुकी थी। पूरा दिन ये बेचारी भी हम लोगों के साथ-साथ बिना अन्न जल ग्रहण किये रही, अन्यथा जानवर तो कहीं भी जाकर मुंह मार आये।

अभी पिछले महीने की तो बात है, भाई की बीमारी पर उसे एक सप्ताह के लिये पीहर रुकना पड़ा। वापस आयी तो सलौनी उसकी आहट पाकर गेट पर ही पहुंच गयी और उसके सामान रखने से पहले ही पिछले पैरों पर खड़ी होकर अगले दोनों पैर उसकी छाती पर रखकर ऐसे मिली जैसे बहुत दिनों से बिछुड़ी बेटी मां से गले मिलने को तड़प रही हो।

ऐसे अवसर पर उसे लगता है 'काश। सलौनी भी अपने दिल की बात कह पाती।' यह तो रोज का ही नियम है कि वह जब भी घर से बाहर जाती है सलौनी साथ जाती है। आसपास जाना हो तो ठीक है, खेतों में जाती है तो पीछे-पीछे चली आ रही सलौनी को कहना पड़ता है- "सलौनी, तू घर जा मैं खेत पर जा रही हूँ।" सुनते ही सलौनी आज्ञाकारी बच्चे की भांति घर लौट आती है।

रमा ने सलौनी की ओर करवट ली तो सलौनी ने झट से सिर उठाकर देखा। जाहिर है सलौनी जाग रही थी। रमा जानती है आज सलौनी रात भर सोयेगी नहीं।

वह हाथ बढ़ाकर सलौनी को दुलारने लगी तो सलौनी ने भी 'कूं, कूं' कर उसके स्नेह को अत्यन्त प्रेमभाव से स्वीकार किया।

'तुम्हारी वफादारी, चौकसी और प्यार का प्रतिदान हमसे कहां सम्भव है सलौनी?'

यही सोचते हुए रमा को नींद आ गयी। मगर सलौनी को आज की रात नींद कहां, वह बिल्कुल नहीं सोयेगी, मालिक और उसके युवा बेटों की अनुपस्थिति में उसकी मालकिन निश्चिन्त होकर सो सके, इसीलिए।

"हमारी सलौनी के होते हिम्मत नहीं कि घर में परिंदा भी पर मार जाये। दूर गली में आ रहे अजनबी को देखते ही इसके कान खड़े हो जाते हैं।" रमा ने कहा तो मां ने भी सहमति में गर्दन हिलायी। अब उनका हाथ भी सलौनी के बदन को सहला रहा था। सलौनी रमा की गोद से हटकर मां के पांव में लौट गयी। जैसे मां को अभिवादन करते हुए उनका आशीर्वाद ग्रहण करना चाहती हो।

लघुकथा

डा. रमाकांता

इंसाफ

रलदू, ओ रलदू, बाहर निकल। दरवाजे से किसी दबंग ने रलदू को ललकारा।

रलदू जान गया कि चौधरी ने जगह खाली करवाने के लिए अपना गुर्गा भेजा है। वह डरता-डरता बाहर आया और उस व्यक्ति को पहचान कर बोला- 'मालिक, बस दो दिन की मोहलत दे दो। कल मेरी बेटी की शादी है। रिश्तेदार परसों चले जाएंगे, मैं जगह खाली कर दूंगा।'

'कान खोल कर सुन ले, परसों फिर आऊंगा। जगह खाली ना मिली तो यहीं तेरे परिवार की कब्र खोद दूंगा समझ गया!' वह धमकी देकर तमतमाता हुआ वहां से चला गया।

दिन छिपते ही बस्ती में अजीब सा शोर सुनाई देने लगा। रलदू का बेटा रशीद घर से बाहर गया और थोड़ी ही देर में तेज़ कदमों से घर में आकर कुछ चिल्लाते हुए उसने अपने अब्बा को आवाज दी- 'अब्बू कहाँ हो? खेल खत्म अब्बू।'

अब्बू ने घबरा कर दबी जुबान से पूछा- 'क्या हुआ?'

'अब्बू मालिक खल्लास,' रशीद ने हाथ के इशारे से समझाया ।

'कैसे, और कब'? रलदू ने जिज्ञासावश पूछा।'

नामुराद को दिल का ऐसा दौरा पड़ा जमीन पर पड़ते ही चल बसा' -रशीद ने बताया।

रलदू की आंखों में आंसू आ गए। थोड़ी देर रुक कर बोला-'सुबह हमारी कब्र खुदवा रहा था। मालिक को क्या पता था कि रात होते-होते उस की ही कब्र के खोदने की तैयारी हो जाएगी।' कुछ सोच कर बोला 'बेटा उसके घर देर है पर अंधेर नहीं है।' रलदू ने ठंडी आह भरते हुए कहा ।

'अब्बू अल्लाह इंसाफ करता है। मालिक को गरीबों की बद्दुआ लगी है।' रशीद ने आकाश की ओर हाथ फैला कर कहा। बाप-बेटे के मुख पर संतोष का भाव झलक रहा था।

कविता

राजश्री

नफ़रतों की आग में

नफ़रतों की आग में ये बस्तियाँ जल जाएंगी।
फ़ूल, भौंरे, शाख़, पौधे, तितलियाँ जल जाएंगी।

मज़हबी ये आंधियाँ यूं ही अगर चलती रहीं,
दब गईं जो राख़ में चिंगारियाँ जल जाएंगी।

कुर्सी की खातिर लगा कर आग जो हैं सेकते,
उनके हाथों की भी तो सब उंगलियाँ जल जाएंगी।

जो मुहब्बत के दरीचे खुलते दिल के दरमियां,
आपसी उस प्यार की सब खिड़कियाँ जल जाएंगी।

क्यूं बढ़ाते नाम पर मज़हब के ये रुसवाइयाँ ,
आदमी रह जाएगा परछाइयाँ जल जाएंगी।

क़त्ल करके अम्न का यूं एक दिन पछताओगे,
चाहतें मिट जाएंगी नजदीकियाँ जल जाएंगी।

फिर मुहब्बत के चरागों को यहां रौशन करो,
जो दिलों में बढ़ गईं वो तल्खियाँ जल जाएंगी।

कविता

कवि पंडित वीरेंद्र मधुर

नई पहल

तारे निकल रहे थे,
सपने उछल रहे थे।

बीमारियों का नाटक,
वे मुखौटे बदल रहे थे।

धन की आग एसी,
पत्थर पिघल रहे थे।

झूठे फसल के दाने,
हथेली मसल रहे थे।

आंदोलन में बैठे बैठे,
उनको भी खल रहे थे।

मधुर सोने वाले सिक्के,
तिजोरी में पल रहे थे।।

कविता

पं. कमल कांत भारद्वाज

मधुमास आ गया

सरसों के पीले फूल,
खेतों में दिखाई देते हैं।
लगता है मधुमास आ गया
राग-ए-वसंत सुनाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

ये मौसम हैं हरियाली का,
उमंग और श्रृंगार का,
प्रकृति अपने यौवन के साथ है,
सब संगीतमय होते दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

सरसों, राई और गेहूं के खेत
मन को लुभाने लगते हैं
देखकर फसलों को किसान
गद-गद होते दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

जाती हुई सर्दियाँ, बड़े होते दिन
गुन गुनी धूप तेज होती है
अम्बर में उड़ते हुए
पीले पतंग दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

देखकर खो जाते हैं
कुदरत के शबाब में सब
मुझे चारों ओर
गुल चाँदनी के फूल दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

सुहाना मौसम, मंद सुरभित हवा
कोयल की कुक सुनाई देती है
मत वाला माहौल, मोहनी खूशबू
फाल्गुन के मदमस्त गीत सुनाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

आज के आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति पर डा. कंवल नयन कपूर का कहना है कि आज की युवा पीढ़ी के साहित्य और संस्कृति के प्रति कम होती रुचि सामाजिक दृष्टि से चिंताजनक है, जिसका समाज पर प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए युवा पीढ़ी को साहित्य और संस्कृति से जोड़े रखने के लिए साहित्यकारों को अपनी संस्कृति और सभ्यता को सर्वोपरि रखते हुए अपनी कलम चलाना आवश्यक है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य और संस्कृति से मिलती है समाज को नई दिशा: डा. कंवल नयन

साहित्य और संस्कृति में सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों पर बेबाक लेखन करने के मकसद से साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं में साधना करके समाज में व्याप्त विसंगतियों को पाटने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में शुमार वरिष्ठ साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर अपने रचना संसार में साहित्य के साथ सांसकृतिक क्षेत्र में भी अपनी लेखनी चलाते आ रहे हैं। उन्होंने साहित्यिक कृति के शोध से ही पीएचडी की उपाधि हासिल की। अपने साहित्यिक और सांस्कृति क्षेत्र के सफर को लेकर वरिष्ठ साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में ऐसे अनछुए पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें समाज साहित्य और संस्कृति से समाज को नई दिशा देना संभव है। साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर का जन्म 9 अगस्त 1944 को रावल पिंडी (पश्चिमी पाकिस्तान) के गांव जंड में नाथूराम व मीराबाई के घर में हुआ। भारत विभाजन के दौरान हिंसाओं की त्रासदी की कहानियों की गूंज में उनका बचपन बीता और अमृतसर, लुधियाना, कुरुक्षेत्र के विस्थापित कैम्पों ने उनके शिशु-मन को ऐसे छुआ कि अन्तर्मुखता, अकेलापन और एकान्त से स्थायी मित्रता हो गई। इसके बाद उनका पूरा परिवार 1949 में दिल्ली स्थानांतरित हो गया था, जहां उनके परिवार को स्थायी निवास मिला। दिल्ली में उन्होंने आई.ए.आर.आई. पूसा के सरकारी स्कूल से हायर सैकेण्डरी तक की शिक्षा ग्रहण की, गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज देवनगर और इवनिंग इन्स्टीट्यूट ऑफ हायर स्टडिज, दिल्ली विश्व विद्यालय से हिन्दी में एम.ए. की शिक्षा ग्रहण की, लेकिन परिवार में आर्थिक अभाव निरंतर चलती रही। उन्होंने आगे की शिक्षा छोड़ यमुनानगर (हरियाणा) के एम.एल.एन. महाविद्यालय में प्राध्यापन कार्य आरंभ किया। उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से 'नई कहानी' विषय में शोध स्वरूप पी.एच.डी. उपाधि प्राप्त की। अगस्त 2004 में इसी महाविद्यालय से विभागाध्यक्ष पद से सेवानिवृत्ति हुई। परिवारिक और शैक्षणिक संस्थाओं के माहौल ने उनमें साहित्यिक संस्कारों का बीजारोपण किया। जबकि घर में माता भगवान कृष्ण की भक्त होने के कारण भजन और गीत गुनगुनाती रहती थी, तो वहीं उनके बड़े भाई उन दिनों भजन और देवी की भेंटे लिखकर गाते थे। मसलन साहित्यिक रुझान उनका अपने घर परिवार से ही हुआ और वह भी बचपन से ही तुकबंदी करने लगे थे। उनका साहित्य एवं चित्र कला के प्रति शुरू से ही विशेष झुकाव रहा है। इसी कारण वह स्कूल-कॉलेज में मंचित कार्यक्रमों में गायन, नाटक आदि में निरन्तर प्रतिभागिता करते रहे। इनकी कविताएं-लेख आदि स्कूल कॉलेज पत्रिकाओं के अलावा बड़ी पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएं छपती रही। बकौल डा. कमल नयन, वह अपने आप को कवि और नाटककार मानते हैं, यद्यपि मूर्तिकला, स्थापत्य कला, पेंटिंग व क्ले माडलिंग, इंटीरियर डेकोरेशन जैसी विधाओं में भी उन्होंने काम किया है। सन् 1965 से 1967 तक संचेतन कहानी की ध्वज वाहक पत्रिका 'संचेतना' से सहायक सम्पादक के रूप में काम किया और दिल्ली से प्रकाशित होने वाली पत्रिका 'जाह्नवी' में उनका किशोर उपन्यास 'भारत सम्राट' धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुआ। 1976 में पहला कविता संग्रह और 1978 में पहला 'लघु नाटक' संग्रह प्रकाशित हुआ। खासबात है कि इसी दौरान नाट्य मंचन, पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, स्थापत्य कला आदि में भी उन्होंने बहुत काम किया गया, जिसमें मंच संचालन, संगीत आदि में उनकी विशेष रुचि रही। नाटक, कहानी, कविता, समीक्षा, निबन्ध लेखन में निरन्तर प्रवृत रहे। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा लिखित छोटे-बड़े नाटकों के चार सौ से अधिक मंचन हो चुके हैं, जिनमें पंजाबी, उर्दू आदि का अनुवादित रूप भी शामिल है। उनकी लम्बी कविता 'शिशु होकर' एवं 'धन्यवाद कान्हा' का मंचन साहित्य-जगत में विशेष चर्चित विषय रहा है। उनका कहना है कि यह सत्य है कि हर रचनाकार अपने रचनाकर्म में आजीवन संलग्न रहते हुए भी अपनी श्रेष्ठ रचना की प्रतीक्षा में ही प्रस्थान पा जाता है। लेकिन इस सोशल मीडिया और इंटरनेट के युग में बढ़ते बाजारीकरण ने हर क्षेत्र को प्रभावित किया है।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. कंवल नयन कपूर की प्रकाशित पुस्तकों में प्रमुख रुप से नाटकः यात्रा और यात्रा, कथा लंका दहन की, कथा लंका दहन की, जल घर, रक्त जीवी, आओ मेरे साथ,पंछी तीर्थम, शव पूजा, प्रकृति पर्व और छाया पुरुष जैसी कृतियां सुर्खियों में हैं। जबकि उपन्यासः भारत सम्राट, ठहरी हुई नदी, कविता संग्रहः बौणियां किरणां और उदास गुलमोहर, एक समन्दर मेरे अन्दर, किस्सा कमली दा,मूर्ख होने का सुख, शब्दों के पार, अजब कालखंड, संपत्ति और गीत-अगीत प्रकाशित हुई है।

डा. कंवल नयन कपूर

पुरस्कार व सम्मान

डा. कंवल नयन कपूर को उनकी कृति 'जल घर' के लिए हरियाणा साहित्य अकादमी का सम्मान भी मिला है। वहीं उन्हें राष्ट्रीय हिंदी सेवी सहस्त्राब्दी सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। वहीं साल 1995 में तत्कालीन राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने भी सम्मान से अलंकृत किया। हरियाणा के भाषा विभाग, हिंदी साहित्य सम्मेलन, इंडियन ऑर्टस चंडीगढ़ तथा अनेक साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्थाओं से अनेक सम्मान व पुरस्कार मिले हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डा. कंवल नयन कपूर
जन्मतिथि : 9 अगस्त 1944
जन्म स्थान : रावलपिंडी (पश्चिम पाकिस्तान)
शिक्षा : बी.ए (ऑनर्स व संस्कृत), एमए(हिन्दी), पीएच.डी.
संप्रति : सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, एमएलएन महाविद्यालय यमुनानगर, लेखक, साहित्यकार

नेतृत्व कुशलता दिखाती 'महिला ग्राम पंचायत'

पुस्तक : महिला ग्राम पंचायत
लेखक : मधुकांत
मूल्य : 40 रुपये
प्रकाशक : नेशनल बुक ट्रस्ट

पुस्तक समीक्षा

शशि कांत चौहान

महिला ग्राम पंचायत मधुकांत का महिला केंद्रित नाटक है। इस नाटक के माध्यम से लेखक ने यह दिखाया है कि महिलाएं भी सही विजन, नीतियो और योजनाओं के जरिये गाँव के विकास के साथ साथ समान में सुरक्षित माहौल बना सकती है। गाँव की सत्ता संभालने के पहले दिन ही क्या-क्या सुविधाएं दी जानी हैं और उसके लिए क्या कदम उठाए जाने है, इस तैयारी के साथ महिला सरपंच आती है और सब सदस्यों को अवगत कराने के साथ जिम्मेदारी भी लगाती है। अपने फैसले सुनाने के बाद वह दूसरे सदस्यों से सुझाव मांगती है यह उसकी नेतृत्व कुशलता को दिखाता है। महिला सरंपच और पंचों के कार्य संभालने के साथ ही गाँव के विकास के लिए मिलने वाली और में भ्रष्टाचार और महिला सदस्यों के पतियों द्वारा कार्य किए जाने के कारण जो उनकी निष्क्रियता थी उसे भी खत्म करने का बीड़ा महिला पंचायत ने उठाया और उसे अंजाम तक पहुंचाया। इसके साथ ही समाज का सबसे ज्वलंत मुद्दा महिलाओं के प्रति अपराध का है। गांव के बलात्कार जैसे मामलों को भाईचारे की दुहाई देकर दबा दिया जाता है वहीं सरपंच कहती है चाहे मेरा कोई मेरा सगा हो कड़ी सजा दो यह इस बात का प्रतीक है कि वह न्याय और समाज में शांति की कितनी बडी पक्षधर है। महिला सरपंच गांव के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिवद्ध दिखाई देती है। तभी तो वह गांव में वह शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ साथ ग्रामीणों को रक्तदान, आधुनिक खेती बेटियों की शिक्षा के तमाम प्रबंधों के अलावा महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रयास करती नजर आती है। एक तरह से वह अपने प्रयासों में सफल हो जाती है। गाँव के विकास के लिए अच्छे बजट का प्रावधान करवाली है और जो पहली पंचायत की पहली बैठक में लिए गए फैसलों पर मंत्री जी एक दिन गांव में आकर पूरा करने की मुहर लगाते हैं। इसके साथ हो एक लेखक एक बड़ा उदाहरण भी पेश करता है। जिस तरह पुरुष महिलाओं का दमन करते आएं हैं और उनको उनके राजनीतिक अधिकारों का प्रयोग कसे में बाधा बनते रहे हैं जब एक पंच कहती है कि अब हम उन पर राज करेंगे तो सरपंच का यह कहना कि नहीं औरत और मर्द एक गाड़ी के दो पहिये हैं तो यह उसकी विवेकशीलता को और दिखाता है कि उसके मन में पुरुषों की प्रति कुठा नहीं है। वह सबको साथ लेकर चलने का संदेश देती है। कुलमिलाकर लेखक अपने प्रयास और अपना संदेश समाज तक पहुंचाने में सफल रहता है।

खबर संक्षेप

एमडीयू में अनुसंधान प्रविधि कार्यशाला आज

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स 3 मार्च से नव प्रवेश प्राप्त शोधार्थियों के लिए शोध प्रविधि कार्यशाला का आयोजन करेगी। फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स के डीन प्रो. ऋषि चौधरी ने बताया कि चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज के सहयोग से आयोजित की रही यह कार्यशाला प्रातः 9.30 बजे से स्वराज सदन में प्रारंभ होगी।

दो दिवसीय वर्कशॉप आज होगी प्रारंभ

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय का पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग 3-4 मार्च को शॉर्ट फिल्म्स एंड रील प्रोडक्शन विषयक कार्यशाला का आयोजन करेगा। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष और इस कार्यशाला के कन्वीनर प्रो. हरीश कुमार ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त डॉक्यूमेंट्री फिल्म मेकर राकेश अंदानिया इस दो दिवसीय कार्यशाला का संचालन करेंगे। यह कार्यशाला 3 मार्च को विभाग के सेमिनार हाल में प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगी।

लोन दिलाने के नाम पर महिला से ठगे हजारों

बहादुरगढ़। लाइनपार की निवासी एक महिला के साथ लोन के नाम पर धोखाधड़ी की वारदात हो गई। लोन तो मिला नहीं, महिला अपने हजारों रुपये गंवा बैठी। इस संबंध में महिला ने अपने एक परिचित सहित दो लोगों पर आरोप लगाया है। आरोपों के आधार पर लाइनपार थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता महिला आंगनबाड़ी में हेल्पर है। महिला का कहना है कि उसे लोन की जरूरत थी। एक दिन झज्जर रोड पर सैय्यद के निकट रहने वाला किशोर हमारे पास आया था। लोन के संबंध में बात हुई तो उसने अपने एक जानकार का नंबर दिया।

लोकतंत्र का पर्व: शहर की सरकार बानने घर से निकले मतदाता

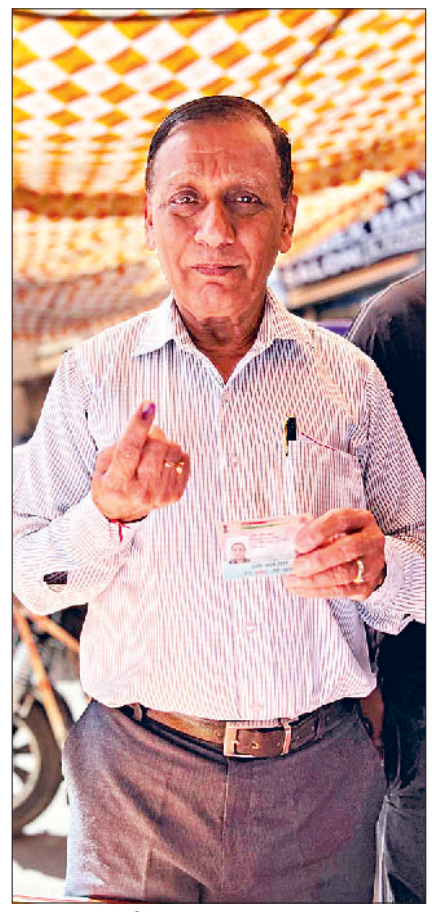

रोहतक। मतदान को लेकर लोगों में दिखा उत्साह, वोट डालने के बाद ऊंगली पर स्याही का निशान दिखाते मतदाता, दिव्यांग भी नहीं रहे मतदान करने में पीछे। *फोटो: हरिभूमि*

लोकतंत्र का प्रहरी बन दिनभर डटा रहा पुलिस तंत्र

रोहतक। सुरक्षित मतदान को फ्लैग मार्च निकालते पुलिस कर्मी।

परिवार के साथ वोट डालने घर से निकले लोग, दिव्यांगता भी नहीं आई आड़े

परिवार के साथ वोट डालकर आते मतदाता। मतदानदान केंद्र से बहार निकलती दिव्यांग महिला। *फोटो: हरिभूमि*

हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन डिपो कमेटी की बैठक डिपो प्रधान की अध्यक्षता में संपन्न हुई

आठ को राज्य स्तरीय कन्वेंशन में होगी आंदोलन की घोषणा : नरेश सिवाच

बैठक में 10 वर्ष का दिवाली पर मिलने वाले बोनस का भी मुद्दा भी पदाधिकरियों ने प्रमुखता से उठाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। मीटिंग करते हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारी।

हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन डिपो कमेटी की मीटिंग डिपो प्रधान नरेश सिवाच की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसका संचालन राज्य उपाध्यक्ष व डिपो सचिव जयकुंवार दहिया द्वारा किया गया। राज्य महासचिव सुमेर सिवाच, उपाध्यक्ष जयकुंवार दहिया ने कि कहा 1993 में जब प्रदेश की जनसंख्या एक करोड़ जी उस समय हरियाणा रोडवेज विभाग में 23600 कर्मचारी एवं 3884 सरकारी बसें होती थी। आज जब प्रदेश की जनसंख्या 3 करोड़ के लगभग है, जब मात्र 2400 के लगभग सरकारी बसें शेष बची हैं और विभाग में कर्मचारियों की संख्या 14800 के लगभग रह गई है। कर्मशाला में 1993 के बाद कोई भर्ती नहीं की गई है। उन्होंने कहा 8 मार्च को हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा के आह्वान पर रोहतक में राज्य स्तरीय कन्वेंशन में रोडवेज के हजारों कर्मचारी भाग लेकर आंदोलन की घोषणा करेंगे। महासचिव सुमेर सिवाच व राज्य उपाध्यक्ष जयकुवार दहिया ने कहा कि हिट एंड रन कानून के विरोध में आल इंडिया रोड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन के आह्वान पर 24 मार्च को हजारों कर्मचारी व मजदूर नई दिल्ली जंतर मंतर पर अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

कर्मचारी नेताओं ने बताया कि कर्मचारियों को सुविधाएं देने की बजाय मिलने वाले अवकाशों में कटौती, ओवर टाइम में कटौती कर दी गई है। हरियाणा रोडवेज के चालक परिचालकों को लगभग 16 महीने से रात्रि ठहराव का भुगतान नहीं किया जा रहा, दिन प्रतिदिन किलोमीटर बढ़ा कर ड्यूटी करने का दबाव बनाया जा रहा है, अनेकों मांगों पर परिवहन मंत्री व विभागीय अधिकारियों द्वारा सहमति के बावजूद कर्मचारियों को कोई लाभ नहीं दिया जा रहा, उच्च न्यायालय के निर्देश तक लागू नहीं किये जा रहे, कर्मचारियों का 10 वर्ष का दिवाली पर मिलने वाला बोनस तक नहीं मिला, सदियों से कर्मशाला कर्मचारी को मिलने वाले त्योहारों की छुट्टी के साथ साथ आकस्मिक अवकाश में कटौती की गई है।

मनपसंद ट्रेड ना मिलना सबसे बड़ा कारण

डिपो प्रधान नरेश सिवाच, राज्य उपाध्यक्ष जयकुवार दहिया व कार्यालय सचिव सतबीर मुंडाल ने बताया इन सभी मुद्दों को लेकर हरियाणा रोडवेज के कर्मचारीयों में भारी रोष है। मीटिंग में राज्य महासचिव सुमेर सिवाच, राज्य उपाध्यक्ष जयकुंवार दहिया, राज्य कार्यालय सचिव सतबीर मुंडाल, डिपो प्रधान नरेश सिवाच, उप प्रधान प्रदीप हुड्डा, कैशियर बलजीत सिंह, सह सचिव राजीव कुमार एवं आडिटर जयबीर फौजी मौजूद रहे।

मनुष्य कभी ईश्वर नहीं बन सकता : स्वामी वेदप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

गांव टिटौली स्थित स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम में बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ के आठवें दिन रविवार को यज्ञ के ब्रह्म स्वामी वेद प्रकाश ने यज्ञ के बाद कहा कि मनुष्य कभी ईश्वर नहीं हो सकता। जिसमें दया नहीं, धर्म नहीं, सत्य नहीं, चरित्र नहीं, आत्म बल नहीं, वह भी कभी मनुष्य नहीं हो सकता। मानवता प्रकाश की वह नदी है, जो सीमित से असीम की ओर बहती है। उन्होंने कहा कि जो भी पुरुष निष्पाप है, निष्कलंक है, निडर है, धार्मिक है, मननशील होकर जो दूसरों के सुख दुख को अपना सुख दुख माने उसे ही मनुष्य कहा जा सकता है।

मुख्य अतिथि पूर्व डीएसपी अर्जुन सिंह ने कहा कि आज समाज में सहनशीलता, संयम, सदाचार और सद्भाव की आवश्यकता है, उसको अपनाकर ही हम एक अच्छे समाज का निर्माण कर सकते हैं। जिसमें सभी को अपनी-अपनी भूमिका निभानी पड़ेगी। महायज्ञ की संयोजक बहन प्रवेश आर्या ने बताया कि रविवार को यज्ञ में आहुति डालने वालों में मास्टर नफे सिंह, आर्य समाज गोहाना के प्रधान धर्मपाल भानमाला, आर्य समाज मोखरा से राजवीर मलिक, खरकड़ा से सोमबीर, टिटौली से राजबीर वशिष्ठ, पाणिनि आर्य, डॉक्टर महावीर सिंह, जिले सिंह आर्य, ईश्वर सिंह आर्य, तकदीर आर्य आदि प्रमुख रहे। स्वामी आर्यवेश, बहन पूनम आर्या, बहन प्रवेश आर्या ने संजय मोखरा, रामभज, वैदिक विद्वान डॉ. जगदेव, महाबीर धीर, प्रो. समुद्र सिंह, वैदिक साधना मंडल की प्रधाना पूनम कुंडू, बबिता, सुदेश, एकता आर्या, मंजू, शकुंतला, डॉक्टर नारायण सिंह आदि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

हिमानी नरवाल हत्याकांड

पुलिस ने टोल और रेस्टोरेंट के कैमरों की जांच पड़ताल भी की

कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल हत्याकांड ने तूल पकड़ लिया , वारदात पुलिस के लिए बनी चुनौती

पुलिस ने दो दिन में 110 से ज्यादा कैमरे खंगाले सूटकेस को लेकर सुराग तलाश रही एसआईटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। पीजीआई के डेड हाउस के बाहर मृतक के परिजनों से जानकारी लेते डीएसपी। मृतक की मां को सांत्वना देते कांग्रेस विधायक इंदु राज। पुलिस अधिकारी को जानकारी देते विधायक बीबी बतरा।

कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल हत्याकांड ने तूल पकड़ लिया है। वारदात के दूसरे दिन भी मामला पुलिस के लिए चुनौती बना रहा। एसपी ने मामले में एसआईटी गठित की है। टीम ने तत्परता से काम करते हुए विजय नगर में हिमानी के मकान के आसपास से लेकर बहादुरगढ़, टोल से लेकर रोहतक और रास्ते में आने वाले दर्जनों रेस्टोरेंट के 110 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे खंगाले हैं। पुलिस यह जानना चाहती है कि इतना बड़ा सूटकेस लेकर आरोपी किसी कार में आया था या किसी और बड़े वाहन का प्रयोग किया। कैमरों से जानकारी मिलने के बाद पुलिस सूटकेस के आधार पर आरोपी तक पहुंचना चाहती है। इसके अलावा युवती के मोबाइल नम्बर का रिकार्ड और सोशल अकाउंट खंगाले जा रहे हैं। हिमानी के सपंर्क में रहने वाले लोगों को जल्द पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। एसआईटी का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। हिमानी के परिवार का कहना है कि वह घर से एक शादी में जाने के लिए निकली थी। जिसके बाद उनकी एक बार बात हुई और फिर वह उनके संपर्क में नहीं आई। अभी तक परिजनों ने किसी आरोपी का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। हिमानी के परिवार का कहना है कि उनकी बेटी अब राजनीतिक छोड़कर शादी करना चाहती थी। हिमानी विजय नगर में किराये के मकान पर रहती थी जबकि उसकी मां और भाई दिल्ली में रहते हैं। जिला पुलिस की पांच टीमों की एसआईटी गठित की गई है। मामले की गहनता से जांच पड़ताल की जा रही है। जल्द ही मामले में अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। शव का पोस्टमार्टम करवा दिया गया है अभी रिपोर्ट नहीं मिली है।

महम। फैशन शो में विजेता रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते एचडी स्कूल खेड़ी महम के निदेशक कुलवंत नहरा, सचिव संजीव छिल्लर व शिक्षक।

एचडी स्कूल खेड़ी के बच्चों ने फैशन शो में की कैटवॉक

महम।एचडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल खेड़ी महम में नर्सरी से फर्स्ट तक के बच्चों के लिए फैशन शो का आयोजन किया गया। प्राचार्या शालिनी गुप्ता ने बताया कि इस प्रतियोगिता में बच्चों ने बड़े ही जोश व उत्साह के साथ भाग लिया। बच्चों ने विभिन्न रंग बिरंगे परिधान पहनकर मंच पर कैटवॉक की। बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इस प्रतियोगिता में कक्षा प्री नर्सरी से रुझान कौर, नर्सरी से जया, के.जी से समायरा, फर्स्ट ए से वीरेन व फर्स्ट बी से अंशिका ने प्रथम स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर आने वाले सभी विजेताओं को सम्मानित किया गया। उत्साह वर्धन करने के लिए अन्य सभी प्रतिभागियों को भी स्कूल प्रबंधन समिति द्वारा पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। स्कूल निदेशक कुलवंत नहरा समारोह में मुख्य अतिथि रहे। नहरा ने छोटे-छोटे बच्चों की इस प्रकार की मनमोहक प्रस्तुति को काफी सराहा और प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सभी अध्यापकों की प्रशंसा की। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका अमित, नेहा व अन्नू ने भूमिका निभाई। इस मौके पर स्कूल सचिव संजीव छिल्लर व उप प्राचार्या इंदु नहरा के समेत विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद था।

- फैशन शो में प्री नर्सरी की रुझान कौर और केजी की समायरा ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

लोकसभा 60.8, विस 59.96 और नगर निगम चुनाव में 53.4 प्रतिशत मतदान

बार-बार चुनाव से गिरता जा रहा मतदान का ग्राफ

गांव में लोगों को बिजली-पानी जैसी मूलभूत जरूरतों के लिए सरकार की तरफ देखना पड़ता है

अमरजीत एस गिल ▶▶| रोहतक

प्रो. राजेंद्र शर्मा

डॉ. राजेश कुंडू

■ पढ़े-लिखे और साधन संपन्न मतदाता मतदान में कम रूचि लेते हैं।

एक देश एक चुनाव कितना सही या गलत। इसको लेकर अलग-अलग मत हो सकते हैं। लेकिन हर चौथे पांचवें महीने हो इलेक्शन में वोट प्रतिशत गिर रहा है। वजह कोई भी हो सकती है। एक कारण ये भी हो सकता है कि जल्दी-जल्दी चुनाव होने के चलते मतदाता की वोटिंग में रूचि कम हो जाती है। थोड़े-थोड़े अंतराल के बाद ही इलेक्शन होने से वोट प्रतिशत कम होता है, ये महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग के लैक्चरर डॉ. राजेश कुंडू कहते हैं। लेकिन इससे राजनीतिक विज्ञान के प्रोफेसर राजेंद्र शर्मा इतफाक नहीं रखते हैं। और वे बताते हैं कि शहरों में कभी से ही वोटिंग पोलिंग प्रतिशत कम होता है।

ग्रामीण सरकार पर ज्यादा निर्भर

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो.राजेंद्र शर्मा बताते हैं कि शहर की बजाय ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादा लोग वोट डालते हैं। इसकी वजह ग्रामीणों को सरकार पर ज्यादा निर्भर रहना पड़ता है। जबकि शहरियों की सरकार पर कम निर्भरता होती है। गांव में लोगों को बिजली-पानी जैसी मूलभूत जरूरतों के लिए सरकार की तरफ देखना पड़ता है। इसलिए लोग ज्यादा से ज्यादा मतदान करके लोग ये उम्मीद करते हैं कि उन्हें सरकार से ज्यादा से ज्यादा मदद मिल सकती है। डॉ. शर्मा कहते हैं कि पढ़े-लिखे और साधन संपन्न मतदाता मतदान में कम रूचि लेते हैं।

कल हुआ नगर निगम रोहतक और नगरपालिका कलानौर का मतदान

2 मार्च रविवार को नगर निगम रोहतक और नगरपालिका कलानौर के लिए मतदान हुआ। निगम के लिए मेयर और पार्षद चुनने के लिए 53.4 और नगरपालिका के लिए चेयरमैन तथा पार्षद चुनने के लिए 78.2 प्रतिशत वोटर ने मत डाला। लोकसभा चुनाव 2024 में रोहतक विधानसभा में 60.8, विधानसभा 2024 में रोहतक विधानसभा के 59.96 और नगर निगम चुनाव में मात्र 53.4 प्रतिशत वोटर बूथ तक पहुंचा। यानि के हर चुनाव में वोट पोलिंग प्रतिशत में कमी हुई।

शहर की बजाय कस्बे में अधिक होता मतदान

अमूमन होता ये है कि स्थानीय निकाय चुनावों में वोट प्रतिशत ज्यादा होता है। वजह होती है कि उम्मीदवार से नजदीकी जान-पहचान। लेकिन छोटे-छोटे अंतराल में इलेक्शन होने की वजह से स्थानीय निकाय चुनाव में वोट प्रतिशत कम हुआ है। हम लोकसभा इलेक्शन से अगर सीधे नगर निगम रोहतक के इलेक्शन पर पहुंचते हैं तो वोट प्रतिशत 7.4 फीसदी की गिरावट आ गई। थोड़ी सी राहत ये है कि लोकसभा और विधानसभा के पोलिंग प्रतिशत में मामूली से 0.84 की कमी हुई। रोहतक नगर निगम क्षेत्र में बोहर, बलियाना, कण्हैली, पहरावर,सुनारिया कलां,सुनारियां खुर्द, खेड़ी साध, गढ़ी बोहर और गढ़ी माजरा में है। शहर की अपेक्षा गांवों में ज्यादा मतदान होता है। शहर की बजाय कस्बे में भी अधिक मतदान होता है। रविवार 2 मार्च को कलानौर नगर पालिका क्षेत्र में 78.2 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। जबकि रोहतक नगर निगम में 53.4 फीसदी वोट पड़े। रोहतक और कलानौर नगरपालिका में 24.8 फीसदी का बड़ा अंतर है।

सदन की मीटिंग में अड़गा लगना भी कम वोटिंग का कारण

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के ही लोक प्रशासन विभाग के लैक्चरर डॉ. राजेश कुंडू कहते हैं कि लोगों ने गत मेयर मनमोहन गोयल के कार्यकाल को अच्छे से देखा और जाना। वे सावर्जनजिक रूप से कहते थे कि शहर के काम करवाना, उनके बूते की बात नहीं है। सदन ने जो प्रस्ताव पारित किए, उनके लिए बजट जारी नहीं किया गया। कई बार सदन की मीटिंग में अड़गा लगना, कम वोटिंग का एक कारण हो सकता है। डॉ. कुंडू ने कहा कि जब सदन की ऐसी हालत होगी तो इसका असर वोटिंग पर पड़ना स्वभाविक प्रक्रिया है। लोग ये सोचते हैं कि कुछ होना-जाना तो है नहीं, ऐसे में वोट डालकर क्या हासिल कर लेंगे।

नगर परिषद चुनाव में लोगों में दिखा उत्साह

मतदान करने के बाद गौरव अग्रवाल अपने परिवार के साथ व समाजसेवी सुभाष तायल

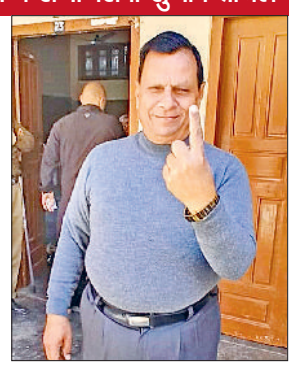

सिंचाई विभाग में नहीं है व्हीलचेयर, विकलांग हुए परेशान

मतदान केंद्र के बाहर पर्ची बनाते समर्थक

डॉ मधुकांत को मिला सत्यवती शुक्ला साहित्य भूषण सम्मान

■ होटल क्राउन प्लाजा, नई दिल्ली में विशाल साहित्यिक समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बीपीए फाउंडेशन एवं इंडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा होटल क्राउन प्लाजा, नई दिल्ली में विशाल साहित्यिक समारोह आयोजित किया गया, जिसमें रोहतक के सूर पुरस्कार विजेता डॉ मधुकांत को साहित्य भूषण सत्यवती शुक्ला सम्मान से नवाजा गया। हिंदी में साहित्य एवं रचना कर्म को समृद्ध करने के उद्देश्य से बीपीएल फाउंडेशन एवं इंडिया नेटवर्क प्रतिवर्ष साहित्यकारों को सम्मानित करते हैं। यह अवार्ड सभी विधाओं के लिए प्रेम जनमेजय, मुकेश भारद्वाज, मंजू लोढ़ा, सुरेश रितुपर्ण, प्रेम विज, दिलीप तेतरबे, उर्मिला शिरीष, प्रताप सहगल आदि को दिया जा चुका है।

सरस्वती वंदना के उपरांत कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजीव कुमार, डॉ मनोरमा ने देश-विदेश से पधारे सौ साहित्यकारों का अभिनंदन किया। डॉ मधुकांत को यह पुरस्कार (बायें से) डॉ. अमिता दुबे-लखनऊ, संतोष श्रीवास्तव-भोपाल, डॉ. दामोदर खड़से-पुणे, महेश कटारे-ग्वालियर, डॉ. गिरीश पंकज-रायपुर, डॉ. प्रबोध कुमार गोविल-जयपुर, डॉ. दिविक रमेश-नोएडा, डॉ. सुरेश शुक्ल 'शरद आलोक'-ओस्लो, नार्वे द्वारा प्रदान किया। 207 पुस्तकों के सृजनशील रचनाकार डॉ मधुकांत को इस पुरस्कार के मिलने पर कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अनिल जोशी, न्यायमूर्ति जस्टिस एम एस श्रीवास्तव, पद्मश्री सी पी देवल, दिविक रमेश, नंद भारद्वाज, शब्द शिल्पी चित्रा मुद्गल,ममता कालिया, प्रकाश मनु की गरिमामय उपस्थित रही। डॉ श्याम सखा श्याम, प्रेम विज, बलराम अग्रवाल, डॉ रामकुमार घोटड, डॉ बिमला भंडारी, अंजू दुआ जैमिनी,आशमा कोल ने इस पुरस्कार के लिए डॉ मधुकांत को हार्दिक बधाई दी।

सेना में जाने के बाद जवान भारत माता का स्पूत हो जाता हैं : कर्नल आर के सिंह

■ गांव रिठाल फोगाट में भारतीय सेना के जवान अशोक कुमार की प्रतिमा का अनावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव रिठाल फोगाट में भारतीय सेना के जवान अशोक कुमार की प्रतिमा का अनावरण करते हुए कर्नल आर के सिंह ने कहा कि सेना के जवान देश के बेटे होते हैं वे सिर्फ एक परिवार, गांव, राज्य, जाति या धर्म के ही नहीं रह जाते। उन्होंने स्वयं 40 वर्षों से अधिक समय तक देश की सेवा करते हुए इस गर्व को महसूस किया है। वह परिवार बहुत सौभाग्यशाली होता है जिस परिवार का सदस्य सैनिक के रूप में देश की सेवा करता है । भारतीय आध्यात्मिक दर्शन के अनुसार साधु और सैनिक मोक्ष के पात्र होते हैं। पूर्व इंस्पेक्टर अजीत शर्मा ने बताया कि उनके भतीजे अशोक कुमार ने 1993 में गांव रिठाल में भले राम के पुत्र के रूप में जन्म लिया। बचपन से ही वह सेना में जाने का इच्छुक था और वर्तमान में 52 आर्म्ड रेजिमेंट में जम्मू पोस्टेड था। ट्रांसफर के उपरांत कुछ समय के लिये घर आया था जहां वह मृत्यु को प्राप्त हुआ। परिवार ने अशोक कुमार की प्रतिमा लगवाने का निर्णय लिया, जिसका अनावरण आज गांव के ही पूर्व सेना अधिकारी कर्नल आर के सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर रिटायर्ड डीएसपी अर्जुन सिंह ने भी परिवार के सदस्यों के साथ शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रॉपर्टी टैक्स नहीं भरने वाले हो जाएं सावधान , संपत्तियां होंगी सील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

सरकार अब हर उसे तरीके को अपनाना चाहती है जिससे राजस्व में बढ़ोतरी हो सके। इसके लिए अब नगर पालिका ने प्रॉपर्टी टैक्स नहीं जमा करने वालों पर डंडा चलाने का फैसला किया। जिन लोगों ने प्रॉपर्टी टैक्स नहीं जमा किया है वह अपना टैक्स जमा कर दे वरना उनकी प्रॉपर्टी सील हो सकती है। नगर पालिका ने प्रॉपर्टी टैक्स नहीं जमा करने वालों की लिस्ट तैयार कर ली। नोटिस भेजने का काम भी शुरू कर दिया है। इससे सरकार को फंसा हुआ पैसा मिल जाएगा। कस्बे के विकास कार्यों में यह पैसा इस्तेमाल हो सकेगा। मंगलवार को विभाग की टीम ने तीन जगह पर नोटिस दिया। प्रॉपर्टी मालिक कौन है उनसे समय मांगा है।

अफसरों की जिम्मेदारी फिक्स

प्रॉपर्टी का टैक्स जमा नहीं करने वालों से टैक्स वह सुनने के लिए नगर निगम के अधिकारियों की जिम्मेदारी कर दी गई उन्हें 1 महीने के बाद सरकार को बताना होगा कि कितने ऐसे लोग हैं जिन्हें अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं कराया और कितने लोगों से टैक्स वसूल कर लिया गया। बाकी के लोगों पर नगर पाली ने किस प्रकार की कार्रवाई की यह सब जानकारियां पाधिकारियों को बतानी होगी।

1 मार्च से अभियान ने पकड़ी तेजी

अगर प्रॉपर्टी मलिक ने नोटिस के बाद भी अपना टैक्स जमा नहीं कराया तो नगर पालिका उसकी प्रॉपर्टी सील करेगी। 1 मार्च से अभियान तेज हो गया है।

नरेंद्र कुमार, सचिव, नगर पालिका सांपला।

आगे कार अड़ाकर युवकों ने बसों के शीशे तोड़े

गोहाना। रोहतक-पानीपत हाईवे स्थित गोहाना में ट्रक यूनियन के निकट टूरिस्ट बसों के आगे तीन युवकों ने कार अड़ा दी। बसों को रुकवाकर उनके शीशे तोड़ दिए और चालकों से मारपीट की। कार सवार युवकों ने बसों में सवार यात्रियों से गाली-गलौज करके दुव्यवहार किया। पुलिस ने चालकों से बातचीत करने की कोशिश की तो वे बसों को लेकर चले गए। युवक भी कार लेकर फरार हो गए। सहायक उप निरीक्षक की शिकायत पर शहर थाना में केस दर्ज किया गया। सहायक उप निरीक्षक संदीप कुमार पुलिस टीम के साथ रोहतक-पानीपज हाईवे पर गश्त कर रहे थे। वे ट्रक यूनियन के पास मौजूद थे। उसी समय बिहार और एक दूसरे राज्य की नंबर की बस के आगे हरियाणा नंबर की कार को अड़ा दिया गया। कार में दो-तीन युवक सवार थे। युवकों ने बसों के चालकों के साथ मारपीट की।

स्कूल में वार्षिक उत्सव मनाया

सांपला। खरावड़ गांव स्थित एमआर पब्लिक स्कूल में रविवार को वार्षिकोत्सव समारोह मनाया गया। इस अवसर पर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के शारीरिक विभागाध्यक्ष डॉ कुलताज सिंह, मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षा और खेल दोनों भविष्य को सुधारते हैं इसलिए हमें दोनों विशेष अहम भूमिका निभानी चहिए। बच्चों ने भी विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर दर्शकों का मन जीत लिया। इस अवसर पर श्रेष्ठ अध्यापकों को सहित 70 छात्र, छात्राओं को सम्मानित किया गया। चिंतनशील खरावड़ समीति के अध्यक्ष प्राचार्य हेमचंद मलिक सहित अतिथि को स्मृति -चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने सभी उपस्थित व्यक्तियों को कठिन परिश्रम करने का आह्वान किया। इस अवसर पर नरेंद्र कुमार अभिभावक, स्कूल -परिवार व गांव के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। समारोह का समापन राष्ट्र -गान के साथ हुआ।

एनेस्थीसिया विभाग में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ यह कार्यक्रम आज की आवश्यकता : कुलपति

पंडित भगवत दयाल शर्मा पीजीआईएमएस के एनेस्थीसिया विभाग में एक आधे दिन का फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम एमडी एनेस्थीसिया में ऑब्जेक्टिव स्ट्रक्चर्ड क्लिनिकल एग्जामिनेशन (ओएससीई) और ऑब्जेक्टिव स्ट्रक्चर्ड प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन (ओएसपीई) के परिचय के संबंध में था। इस डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ कुलपति डॉक्टर एच के अग्रवाल,डॉ सचदेवा, रजिस्ट्रार हरियाणा मेडिकल काउंसिल व निदेशक डॉक्टर एस के सिंघल ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर चिकित्सकों को संबोधित करते हुए कुलपति डॉक्टर एच के अग्रवाल ने कहा कि यह कार्यक्रम आज की आवश्यकता है और सभी विभागों को एनेस्थीसिया विभाग के कदमों का पालन करना चाहिए, जिसने अग्रणीय भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि एचएमसी द्वारा इस कार्यक्रम को अपनी सामग्री के लिए 2 क्रेडिट घंटे प्रदान किए गए थे। कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए निदेशक डॉक्टर एस के सिंघल ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार परीक्षा में वस्तुनिष्ठता लाने और स्नातकोत्तर छात्रों के नैदानिक कौशल को बढ़ाने के लिए किया गया था। डॉक्टर सिंघल ने बताया कि फैकल्टी को ओएससीई आधारित प्रश्न पत्र और कौशल स्टेशनों की तैयारी के लिए संवेदनशील बनाया गया। उन्होंने बताया कि डॉ सचदेवा, रजिस्ट्रार हरियाणा मेडिकल काउंसिल, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। डॉ सुशीला तक्षक ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता एनेस्थीसिया विभाग के प्रमुख डॉ एसके सिंघल और पीजीआईएमएस के निदेशक ने की। गौरतलब है कि डॉ सुशीला तक्षक, वरिष्ठ प्रोफेसर एनेस्थीसिया, कार्यक्रम की आयोजन सचिव थीं, जबकि डॉ मोनिका छिक्कारा कार्यक्रम की नोडल अधिकारी थीं। कार्यक्रम में डॉ राजमाला, डॉ अन्जू घई, डॉ कीर्ति, डॉ प्रशांत, डॉ संजय जोहर और एनेस्थीसिया विभाग के पूरे फैकल्टी ने भाग लिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

कार्यक्रम | सतगुरु मंदिर सैमाण के महंत सतीश दास ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र बांटे

जनसेवा समिति ने अजायब गांव में लगाया शिविर, 61 लोगों ने बटोरा रक्तदान का पुण्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

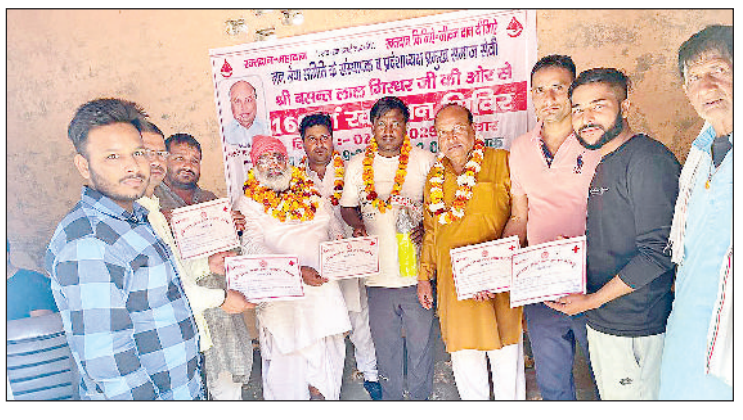

महम। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान करते महम नपा के वाइस चेयरमैन बसंत लाल गिरधर व महंत सतीश दास।

जनसेवा समिति द्वारा रविवार को अजायब गांव में रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर के आयोजक बसंत लाल गिरधर ने बताया कि संस्था की ओर से लगाए जाने शिविरों के क्रम में यह 166वां शिविर था। रक्तदान कैंप में 61 रक्तदाताओं ने रक्त का दान किया। सतगुरु मंदिर सैमाण के महंत सतीश दास ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं होता। क्योंकि इससे मरीजों को जीवन दान मिलता है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए। जनेसवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष बसंत लाल गिरधर ने बताया कि वे नगर पालिका महम में वाइस चेयरमैन के पद पर काम कर रहे हैं। शहर के विकास कार्यों को लेकर काफी व्यस्त रहते हैं, बावजूद इसके रक्तदान को लेकर उनके द्वारा शुरू की गई मुहिम को वे थमने नहीं दे रहे। कुछ समय पहले ही उन्होंने महम नगर पालिका में भी रक्तदान शिविर लगाया था। शिक्षा विभाग में शिक्षक के पद पर कार्य करते हुए भी उन्होंने रक्तदान शिविरों में ब्रेक नहीं लगने दिया। सेवानिवृति के बाद भी वे युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं और जनसेवा समिति से युवाओं को जोड़ रहे हैं। बसंत लाल गिरधर को महम में रक्तदान शिविरों का जन्मदाता कहा जाता है। रक्तदान शिविर में सतीश दलाल, पवन चौहान, बिल्लू टेलर, विक्की, शिवपाल, राजित, विनोद धत्तरवाल, रामभगत, तनिश, नरेश कुंडू, अमित चौधरी, संदीप व प्रमिला कुंडू आदि ने रक्तदान किया।

दुकान से घर लौट रहे युवक से हजारों छीने

सोनीपत। शहर थाना क्षेत्र में दुकान से काम करके घर लौट रहे युवक से हजारों रुपये की राशि व आधार कार्ड के छीनने के आरोप का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस युवकों का पता लगाने के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही है। ताकि कोई सुराग हाथ लग सके। छतरपुर मध्य प्रदेश हाल में ककरोई रोड निवासी सुरेंद्र ने बताया कि वह सेक्टर-23 में स्थित दुकान पर काम सीखने के लिए जाता है। वहीं उसके सामने टिक्की की रेहड़ी लगाता है। गत एक मार्च की रात को करीब 11 बजे वह रात को बर्तन धोने के बाद पैदल अपने घर पर जा रहा था। वह कपड़े खरीदने के लिए नौ हजार रुपये अपनी मां से लेकर आया था। वहीं दस हजार रुपये की राशि अपने मालिक से लेकर आया था। साथ ही पांच हजार रुपये की राशि दुकान व रेहड़ी की कमाई थी। उसे रास्ते में मोटर साइकिल सवार तीन लड़कों ने रोक लिया।